ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८५
दिनांक- शुक्रवार, ०५ नवम्बर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.8 एवं 16.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 53 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 20.7 एवं दोपहर में 30.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(06–11 नवम्बर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 06–11 नवम्बर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते है हलाकि मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान के 29 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 5 से 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले दो दिनों तक बेगुसराई, समस्तीपुर, वैशाली, सारण, सिवान, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलो में पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने का अनुमान है तथा अन्य जिलों में पूरे पूर्वानुमानित अवधि में पुरवा हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- कजरा (कटुआ) पिल्लू से बोयी गई रबी फसलों की नियमित रुप से निगरानी करें। फसलों के शुरुआती अवस्था में इस कीट का प्रकोप अधिक होता है। प्याज की स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से प्रत्येक 10–15 दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें। धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें।
- आलू की रोपनी के लिए तापमान अनुकूल हो रहा है। अतः किसान भाई खेत की तैयारी एवं रोपाई शुरु करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू– 1, राजेन्द्र आलू– 2 तथा राजेन्द्र आलू–3 इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित किस्में है। बीज दर 20–25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दूरी 50–60 से0मी0 एवं बीज से बीज की दूरी 15–20 से0मी0 रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के 0.5 प्रतिषत घोल या डाइथेन एम0 45 के 0.2 प्रतिषत घोल में 10 मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (20–40 ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट 200–250 क्विटल, 75 किलोग्रम नेत्रजन, 90 किलोंग्रम फास्फोरस एवं 100 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- राजमा की बुआई करें। इसके लिए उदय (पी0डी0आर0–14), अम्बर (आई0आई0पी0आर0–96–4) एवं उत्कर्ष (आई0पी0आर0–98–5) किस्में अनुसंषित है। बीज बुआई की दुरी 30X10 से0मी0 रखें। बुआई से पहले खेत की जुताई में 50 किलोग्रम नेत्रजन, 50 किलोग्रम फॉसफोरस, 30 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें। बीज को 2 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- रबी मक्का की बुआई करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान 1 सफेद, शक्तिमान 2 सफेद, शक्तिमान–3 पीला, शक्तिमान 4 पीला, शक्तिमान–5 पीला, गंगा 11 नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का 1, राजेन्द्र संकर मक्का 2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित है। खेत की जुताई में 100–150 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्रम नेत्रजन, 75 किलोग्रम फास्फोरस एवं 50 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर 20 किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 60ग20 से0मी0 रखें।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्षन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंषित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 30ग20 से0मी0 रखें। बीज को 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), बी0आर0–25 के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फूंदनाषक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पष्चात कीटनाषी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- मटर की बुआई करें। इसके लिए रचना, मालवीय मटर–15, अपर्णा, हरभजन, पूसा प्रभात एवं भी0 ऐल0–42 किस्में अनुसंषित है। बीज दर 75–80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 30X10 से0मी0 रखें। बीज को उचित राइजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करे।

आज का अधिकतम तापमानः 29.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 16.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी